BPSE 144

दक्षिण एशिया का परिचय

परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

आसान भाषा में समझे।

Scholarly Minds

1. आतंकवाद क्या है? आतंकवाद को रोकने के लिए विभिन्न उपायों के बारे में चर्चा कीजिए।

आतंकवाद एक हिंसक और अवैध गतिविधि है, जिसमें लोग या समूह नागरिकों को डराने, सरकारों को चुनौती देने या अपनी राजनीतिक, धार्मिक या विचारधारात्मक मांगों को पूरा करने के लिए हिंसा का उपयोग करते हैं। इसमें बम धमाके, गोलीबारी, अपहरण, और हत्याएं जैसी क्रूर घटनाएं शामिल होती हैं, जिनका उद्देश्य आम जनता में भय और अव्यवस्था फैलाना होता है।

आतंकवाद को रोकने के उपाय:

1. **कठोर कानून और सुरक्षा उपाय**: आतंकवादियों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए सख्त कानून और सुरक्षा बलों को सक्षम बनाना आवश्यक है। विशेष आतंकवाद निरोधक कानून और सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देना इन अपराधों को रोकने में मदद कर सकता है।
2. **आतंकवाद के वित्त पोषण पर नज़र रखना**: आतंकवाद को धन और संसाधन प्रदान करने वाले नेटवर्क को तोड़ना जरूरी है। इससे आतंकवादी समूहों को फंडिंग मिलनी मुश्किल हो जाएगी।
3. **सामाजिक और आर्थिक सुधार**: आतंकवाद अक्सर गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक असमानताओं का परिणाम होता है। यदि इन समस्याओं का समाधान किया जाए, तो आतंकवाद के लिए उर्वर भूमि कम होगी।
4. **शांति और संवाद को बढ़ावा देना**: आतंकवाद का मुख्य कारण कभी-कभी राजनीतिक या धार्मिक असहमति होती है। शांतिपूर्ण संवाद, समझौते और सहिष्णुता बढ़ाने से इस समस्या को कम किया जा सकता है।
5. **आतंकवाद विरोधी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग**: आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है, इसलिए देशों के बीच मिलकर काम करना जरूरी है। सूचना साझा करना, आतंकवादियों का पीछा करना और उनके नेटवर्क को तोड़ने के लिए देशों का आपस में सहयोग आवश्यक है।

2. मानव विकास को परिभाषित कीजिए और इसकी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

मानव विकास का मतलब है लोगों की जीवन की गुणवत्ता और उनके भौतिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ाना। इसका उद्देश्य न केवल आय, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाना है, बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्रता, सुरक्षा, और सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देना है।

मानव विकास की चुनौतियां:

1. **गरीबी और असमानता**: गरीबी एक बड़ी चुनौती है, जो विकास के प्रयासों को धीमा कर देती है। इसके अलावा, समाज में आर्थिक और सामाजिक असमानता भी मानव विकास को प्रभावित करती है।
2. **शिक्षा की कमी**: कई क्षेत्रों में, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में, शिक्षा का स्तर बहुत कम है, जो मानव संसाधनों के विकास को बाधित करता है।
3. **स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव**: गरीब और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव होने के कारण लोगों की जीवन गुणवत्ता में गिरावट आती है।
4. **प्राकृतिक संसाधनों की कमी और पर्यावरण संकट**: बढ़ती आबादी और प्राकृतिक संसाधनों की अत्यधिक खपत मानव विकास के लिए खतरा पैदा कर रही है।
5. **रोजगार के अवसरों की कमी**: अगर किसी समाज में रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं, तो मानव विकास की प्रक्रिया कमजोर हो जाती है, और बेरोजगारी बढ़ जाती है।

3. वैश्वीकरण क्या है? इस पर एक टिप्पणी लिखिए।

वैश्वीकरण एक प्रक्रिया है, जिसके तहत दुनिया भर के देशों और क्षेत्रों के बीच आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंध और संपर्क बढ़ते हैं। यह सूचना, पूंजी, श्रम, और माल के आदान-प्रदान के द्वारा देशों के बीच बढ़ते हुए आपसी निर्भरता को दर्शाता है।

वैश्वीकरण पर टिप्पणी: वैश्वीकरण ने दुनिया को एकजुट किया है, जिससे देशों के बीच व्यापार, संवाद, और तकनीकी उन्नति में वृद्धि हुई है। इसके कारण विभिन्न देशों के लोग अब आपस में अधिक संपर्क में रहते हैं, और विभिन्न संस्कृतियां एक दूसरे से प्रभावित होती हैं।

हालांकि, वैश्वीकरण के लाभ भी हैं, लेकिन इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। जैसे:

- **आर्थिक असमानता**: वैश्वीकरण ने गरीब और अमीर देशों के बीच के अंतर को और बढ़ा दिया है। कई विकासशील देशों में बड़े निगमों द्वारा संसाधनों का दोहन किया जाता है।
- **स्थानीय संस्कृति पर प्रभाव**: वैश्वीकरण के कारण पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव बढ़ रहा है, जो स्थानीय परंपराओं और संस्कृति को खतरे में डाल सकता है।
- **पर्यावरणीय संकट**: बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण और व्यापार के कारण पर्यावरणीय संकट भी बढ़ रहा है, जैसे जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की कमी।

वैश्वीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं, और इसके प्रभावों को संतुलित करने के लिए देशों को समन्वयित और सतत विकास के उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

4. विकास की बदलती प्रवृत्तियों और दक्षिण एशिया में पर्यावरण पर उनके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

विकास की बदलती प्रवृत्तियां: पिछले कुछ दशकों में, विकास की धारा ने उद्योगीकरण, प्रौद्योगिकी, और व्यापार पर जोर दिया है। पहले जहां कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था थी, वहीं अब अधिकांश देश औद्योगिक और सेवाओं पर आधारित होते जा रहे हैं। इसके अलावा, **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** के क्षेत्र में भी तेजी से विकास हुआ है, जिसने वैश्विक संपर्क और व्यापार को और भी मजबूत किया है।

Scholarly Minds

दक्षिण एशिया में पर्यावरण पर प्रभाव:

1. **औद्योगिकीकरण और शहरीकरण**: दक्षिण एशिया में तेजी से बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने पर्यावरण पर दबाव बढ़ा दिया है। फैक्ट्रियों से निकलने वाला प्रदूषण, निर्माण कार्यों से जुड़ी अव्यवस्थाएं, और शहरी क्षेत्रों में बढ़ते कचरे की समस्या ने पर्यावरण को बहुत प्रभावित किया है।
2. **जलवायु परिवर्तन**: दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन का असर बहुत गंभीर है। बढ़ते तापमान, असमय वर्षा, और बर्फबारी में बदलाव से कृषि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, और समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय क्षेत्रों में बाढ़ और अन्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।
3. **प्राकृतिक संसाधनों की कमी**: जंगलों की कटाई, जल स्रोतों का अत्यधिक उपयोग, और भूमि की अति उपजाऊ उपयोगिता से प्राकृतिक संसाधनों की कमी हो रही है। इससे न केवल पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ रहा है, बल्कि जन जीवन भी प्रभावित हो रहा है।
4. **विकास और पर्यावरण का संतुलन**: विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय संरक्षण के उपायों को अपनाना जरूरी है। अगर विकास की प्रक्रिया पर्यावरणीय नुकसान की कीमत पर की जाती है, तो भविष्य में इसके नकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

दक्षिण एशिया को विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने के लिए सतत विकास और हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग करना होगा।

Scholarly Minds